

अवलोकनस्य निष्ठाव
 संकल्पः॥ एतियदाकुरु
 धीरानमराशमाशया
 इमंकातिननसिद्धमस्तु

॥ १० ॥
 ॥ ११ ॥
 ॥ १२ ॥
 ॥ १३ ॥
 ॥ १४ ॥
 ॥ १५ ॥
 ॥ १६ ॥
 ॥ १७ ॥
 ॥ १८ ॥
 ॥ १९ ॥
 ॥ २० ॥
 ॥ २१ ॥
 ॥ २२ ॥
 ॥ २३ ॥
 ॥ २४ ॥
 ॥ २५ ॥
 ॥ २६ ॥
 ॥ २७ ॥
 ॥ २८ ॥
 ॥ २९ ॥
 ॥ ३० ॥
 ॥ ३१ ॥
 ॥ ३२ ॥
 ॥ ३३ ॥
 ॥ ३४ ॥
 ॥ ३५ ॥
 ॥ ३६ ॥
 ॥ ३७ ॥
 ॥ ३८ ॥
 ॥ ३९ ॥
 ॥ ४० ॥
 ॥ ४१ ॥
 ॥ ४२ ॥
 ॥ ४३ ॥
 ॥ ४४ ॥
 ॥ ४५ ॥
 ॥ ४६ ॥
 ॥ ४७ ॥
 ॥ ४८ ॥
 ॥ ४९ ॥
 ॥ ५० ॥
 ॥ ५१ ॥
 ॥ ५२ ॥
 ॥ ५३ ॥
 ॥ ५४ ॥
 ॥ ५५ ॥
 ॥ ५६ ॥
 ॥ ५७ ॥
 ॥ ५८ ॥
 ॥ ५९ ॥
 ॥ ६० ॥
 ॥ ६१ ॥
 ॥ ६२ ॥
 ॥ ६३ ॥
 ॥ ६४ ॥
 ॥ ६५ ॥
 ॥ ६६ ॥
 ॥ ६७ ॥
 ॥ ६८ ॥
 ॥ ६९ ॥
 ॥ ७० ॥
 ॥ ७१ ॥
 ॥ ७२ ॥
 ॥ ७३ ॥
 ॥ ७४ ॥
 ॥ ७५ ॥
 ॥ ७६ ॥
 ॥ ७७ ॥
 ॥ ७८ ॥
 ॥ ७९ ॥
 ॥ ८० ॥
 ॥ ८१ ॥
 ॥ ८२ ॥
 ॥ ८३ ॥
 ॥ ८४ ॥
 ॥ ८५ ॥
 ॥ ८६ ॥
 ॥ ८७ ॥
 ॥ ८८ ॥
 ॥ ८९ ॥
 ॥ ९० ॥
 ॥ ९१ ॥
 ॥ ९२ ॥
 ॥ ९३ ॥
 ॥ ९४ ॥
 ॥ ९५ ॥
 ॥ ९६ ॥
 ॥ ९७ ॥
 ॥ ९८ ॥
 ॥ ९९ ॥
 ॥ १०० ॥



॥ १०१ ॥
 ॥ १०२ ॥
 ॥ १०३ ॥
 ॥ १०४ ॥
 ॥ १०५ ॥
 ॥ १०६ ॥
 ॥ १०७ ॥
 ॥ १०८ ॥
 ॥ १०९ ॥
 ॥ ११० ॥
 ॥ १११ ॥
 ॥ ११२ ॥
 ॥ ११३ ॥
 ॥ ११४ ॥
 ॥ ११५ ॥
 ॥ ११६ ॥
 ॥ ११७ ॥
 ॥ ११८ ॥
 ॥ ११९ ॥
 ॥ १२० ॥
 ॥ १२१ ॥
 ॥ १२२ ॥
 ॥ १२३ ॥
 ॥ १२४ ॥
 ॥ १२५ ॥
 ॥ १२६ ॥
 ॥ १२७ ॥
 ॥ १२८ ॥
 ॥ १२९ ॥
 ॥ १३० ॥
 ॥ १३१ ॥
 ॥ १३२ ॥
 ॥ १३३ ॥
 ॥ १३४ ॥
 ॥ १३५ ॥
 ॥ १३६ ॥
 ॥ १३७ ॥
 ॥ १३८ ॥
 ॥ १३९ ॥
 ॥ १४० ॥
 ॥ १४१ ॥
 ॥ १४२ ॥
 ॥ १४३ ॥
 ॥ १४४ ॥
 ॥ १४५ ॥
 ॥ १४६ ॥
 ॥ १४७ ॥
 ॥ १४८ ॥
 ॥ १४९ ॥
 ॥ १५० ॥
 ॥ १५१ ॥
 ॥ १५२ ॥
 ॥ १५३ ॥
 ॥ १५४ ॥
 ॥ १५५ ॥
 ॥ १५६ ॥
 ॥ १५७ ॥
 ॥ १५८ ॥
 ॥ १५९ ॥
 ॥ १६० ॥
 ॥ १६१ ॥
 ॥ १६२ ॥
 ॥ १६३ ॥
 ॥ १६४ ॥
 ॥ १६५ ॥
 ॥ १६६ ॥
 ॥ १६७ ॥
 ॥ १६८ ॥
 ॥ १६९ ॥
 ॥ १७० ॥
 ॥ १७१ ॥
 ॥ १७२ ॥
 ॥ १७३ ॥
 ॥ १७४ ॥
 ॥ १७५ ॥
 ॥ १७६ ॥
 ॥ १७७ ॥
 ॥ १७८ ॥
 ॥ १७९ ॥
 ॥ १८० ॥
 ॥ १८१ ॥
 ॥ १८२ ॥
 ॥ १८३ ॥
 ॥ १८४ ॥
 ॥ १८५ ॥
 ॥ १८६ ॥
 ॥ १८७ ॥
 ॥ १८८ ॥
 ॥ १८९ ॥
 ॥ १९० ॥
 ॥ १९१ ॥
 ॥ १९२ ॥
 ॥ १९३ ॥
 ॥ १९४ ॥
 ॥ १९५ ॥
 ॥ १९६ ॥
 ॥ १९७ ॥
 ॥ १९८ ॥
 ॥ १९९ ॥
 ॥ २०० ॥

卷八

१४॥ गल्लिङ्गयनमः ॥
 अथथाय द्विकरुमति धा
 नलिख्यन ॥ ॥ प्रायश्चित्त
 यादुः कृष्णकृष्णमात्र हृदय
 कृष्णमथिस्थानेन प्रकरक
 याय ॥ निद्रुकृष्णनद्रुदग
 नयाउानय ॥ सोद्रुकृष्ण
 व ॥ गम्यनयानेकावनय
 यद्रुकृष्णनिवाहान ॥ दद्रु
 कृष्णवनक ॥ वनककृष्ण
 र्थसउादावैउानउन ॥ लु
 मि ॥ वनक ॥ गियाउादावु
 वसुधूनसंघठ वियमा
 यमथिस्थकृष्णय ॥ कृष्ण
 नयाथयसयकृष्णयाया
 रिगन ॥ अथयुधमसुयुद्ध
 रिमखनवोक्त ॥ वनवच
 गयसाधन ॥ ॥ गम्यननील
 वक्ष्मया ॥ कृष्णया ॥ गम्यन
 यन ॥ गम्यवक्ष्मययाग्राहः
 १५॥ गम्यादधिवायुन ॥ कयि
 लायाद्युग्मग्रार्जमहायादक
 नोधानम ॥ असावमवक्ष्म
 नां कयिलेकोयुधोस्तन ॥

॥ गममूत्रे कयलंदयादहु
काहं लु गममय ४ दीर्घसंय
यलंदयाद विप्रियलमूय
न ॥ द्यु गमकयलंदयादहु
यलमर्कक ॥ अदक म ॥ यी
गवृक्षं नेकलाउ नवके वृक्ष
मउ येलम ॥ लाजा यक्षयथ
रुणं यय गंभीरुसा यय ७ ॥
॥ विदेउय वृक्षमर्कय ॥ गममू
यंदकि ॥ अगथा ॥ यय ४ यय
विमना र्कय यं वेवारु चरु
गथा ॥ अ ॥ गनय लिगमिया
रु नैरु यय यय रोजन मावा
यय ॥ गममय र्कय ॥ अ ॥ गम
उक ॥ अदक म ॥ गमया
गुलिगाम ॥ मिश्रयद यिय
वृक्ष म ॥ ददुसने नि यय कि
द यम आन वृथक यथक ॥ ॥
॥ गममूत्रं दवगा वंदि ॥ गमियं
उजनादन ४ ॥ दीर्घलुसा मय
वयंद विवेवमूया यमि ४ ॥
यं वेरु र्कय ४ ॥ याका वृक्ष
यार्थ यजा यमि ४ ॥ ॥ ग
गयं व गयसा धनं ॥ वाक्र
नय वृक्षि मूत्रेन ॥ ॥

ॐ अथादि ॥ यजमानस्य धाम
नष्टु द्वि सर्व कि लिखना धाय
यश्चिह्न यक्ष यं च गयसा धन
निमित्तार्थ कर्तुं स्र यो यो धा
नम ४ ॥ कर्तुं न ॥ ॐ अक वृ
॥ न्यास ॥ अथ यागयुजा मय
जा ॥ ॥ कर्तुं न ॥ वृक्ष ॥ ॐ उय
निदवगा येनम ४ ॐ द यिक्ता
या ॥ ॥ दक्षि ॥ ॐ व द्वा द
वगा येनम ४ ॥ गमय ४ ॥ ॥ य
विम ॥ ॐ सामदवगा येनम
४ ॥ ॐ यय ४ यय यि यी ॥ उरु
य ॥ ॐ रास्त्र नदवगा येनम
४ ॥ ॐ कजा सिधु ॥ ॥ अ
य ॥ ॥ गममय लिग ॥ ॐ ॥ गम
यलि गमय नम ४ ॥ ॐ नम ४ ॥
रु वायव ॥ ॥ नेरु यय ॥ यय
॥ ॐ वनस्य निदवगा येनम
४ ॥ ॐ या ४ रं लनी ॥ ॥ वाय
य ॥ ॐ ॥ गममया यनम ४ ॥ ॐ
मान र्कक ॥ ॥ वृक्ष ॥ अदक ॥ ॥ ॐ वृक्ष दवगा
येनम ४ ॥ ॐ वृक्ष र्कक ॥ ॥

मरुध्वा॥ गामुया॥ ॐ वृष्णः
नमः॥ ॐ वृष्णः यज्ञः नमः॥ यः
जायादाकथनमूने॥ गमय
जीनय॥ १०॥ जयलथ॥ सि
जलयालासमूदा॥ वालि
ॐ सेवायामिसमाया॥ ॐ
सिं समायधायनसमः
यवगीर्जगगीकि॥ ४॥ यवना
०॥ संमधूमगीर्मधूमतायव
नाम॥ यवसिं धुस्वानजजम
कागया॥ ॐ यज्जायाय॥ ग
यजीनजययाय॥ अरुगं ध
दि॥ धयं वगयसायाधय
॥ शिवसराग॥ अग्निशान
राग॥ ॐ जमानयागनाग
॥ ॐ मयसिगयुजाजाया
य॥ ॐ जलमान॥ ॐ स्वस्तिन
ॐ द्या॥ ॐ दधिमान॥ ॐ दधि
काया॥ अका॥ ३॥ य॥ ॐ यय
य॥ यि॥ मधू॥ ॐ मधूवा
ता॥ ॐ द्युन॥ ॐ नजासिधु
का॥ यन॥ ॐ यदयक॥ ॥ मि
धू॥ ॐ लीजयिषुया॥ स्वान
॥ ॐ या॥ ४॥ लनी॥ अ३॥ वालि

न॥ धूयदीयजायसा॥ ॐ
निर्मलकालवृयाजिवृष्णः
ज्ञाननिवर्तक॥ १॥ शुद्धनयाय
यूसानां चिकिर्गवृष्णवृयि
॥ ॥ अरुगं धादि॥ कलशयाः
रुजगय॥ ॐ वायुवायाहिव
गय॥ यूनयुजन॥ ॐ नमः
शानुवायव॥ ॥ ॐ नित्यं ज
गयसाधन॥ ॥

ॐ यवकृष्णलुक्मनयकृष्णाय
॥ वायकथ॥ कलश॥ सगुण
॥ ॐ मयसा॥ ॐ मलजा॥ ॥ वालि
कृष्णलवा॥ ॐ मयसिगं॥
वजिरुयावमालकावायाग
य॥ ॥ ॐ यव॥ ॐ नविधिधुः
कृष्णलुक्मनयाय॥ ॐ अरुगं
दि॥ जयमानस्यशानुवाय
सर्वकिलिषना॥ वायव्य
रुयकृष्णय॥ अग्निशानाम
॥ ॐ वायव्यशिवला॥ ॐ नमः
ॐ वायव्यशिवला॥ मि॥ कवि
रुममु॥ विधि॥ अग्नि॥ १॥
कवि॥ नमः॥ मनु॥

मिष्टा॥ कवि नमस्तु ॥ ॐ म
नूनाग्नि यस्याह ॥ ॥ यव ग
यहाम ॥ ॐ ॐ जावनीति ॥ य
व गयहाम धूनकाउ ॥ य
नया हियगया वि ॥ ॥ यव
गयहाम ॥ वद ॥ ॐ हि द्याय
मीरु ॥ ॐ यविशु ॥ ॐ स्वः
कवेयदा ॥ ॐ नमः ॥ ॥ ॥
॥ ॥ थ गिर्यव गयदायव
दयदयाव ॥ ॥ कुमनयदा
दु नि ॥ गिलादु गियथर्न
का धूनक ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
कमसि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
नका ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
नका ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
वदा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
सुवयु गि सुयथ दवसु
नामक ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
याहाम यव विवद ॥ ॥ नः
रुग नेवसंका यनेव कर्म
रुलीनरु गानसमा कर्मसु
सर्वयु यथ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
यन ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

ल चामस्य यावक धूनका
उ ॥ ॐ आदित्यव न्यावनि ल
धरु मिर्झरु मिजाया दद
ययमध्य अरु ॥ ॥ ॥ ॥
उरु वसं ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
गिनवस्य वृ कि द्याय
यनदामठ काग काया ॥ ॥
मि धूनका ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
नयु वृ कि मुख ॥ ॥ ॥ ॥
यधिमा रिमुख नमन थि
यकं न ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
यव न्याय या लयव य ॥ ॥
थ गि धूनका ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
या ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
मि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
युनं ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
आया यनी वाक आया य
यादरु आया यना चद

सु आ या यनी ध्या गु न आः
 या यनी । य रु वु र्व यदा सि
 न रु क आ या यनी नि ध्या य
 नी न रु शु द्वा षाम रु स्य ॥
 उ ष धे गु य स्य स्य धि न म
 यिन ० हि ० सी ॥ अ स वा य
 ॥ उ ल म ध्म ड रि ॥ अ स
 हा य ॥ स क स नै यै व म वा
 न हा य ॥ उ ज मान पि न त्व
 न लो य ॥ उ रु ष्म हा ॥ उ
 व म य रु न ॥ उ रु व स्या
 हा ॥ उ ० ० द वि रु ॥ उ स्य
 ० हा ॥ उ न म ध र वा य
 व ॥ य नि स्या ॥ उ रु व स्य
 हा ॥ उ म नो र्ति ॥ थ न ज
 म मान स्या ग यो मे गु व स ले
 मि ला स वा द य ल न क ॥ थ
 मि वू न का उा कृ षा नि क म
 न य थ षा कि र्म स्या रु मि ॥
 क म न व रु ॥ यो यू र्ण या रु
 ॥ क रु षा दि अग्नि वा म व

यू जा द दि ध्म न ॥ त न ० म द
 नू र्ति मि ॥ उ य ज मान स्य स्या
 दि ॥ उ द वा ग म उ ॥ ॥ स व रु
 व हि त्वा ॥ आ र्म सा य ॥ ० ॥
 सा रु ॥ उ न मा ॥ १ ॥ य दा द व
 मि ॥ क रु षा या सा रु ॥ १ ॥ म
 म य र्मि ग या ॥ उ न म ० मि
 वा य षा ना य य मि ॥ मा स
 का रु धू न क ॥ ॥ उ य रु य
 रु मि ॥ य रु वि स र्ज न ॥ या
 स ॥ सूर्य सा कि ॥ ॥ अ र्ध
 यो र्ण अग्नि कृ षा म्या ॥ १ ॥
 मू खी रु ह्य ॥ उ य स्य र्मि ॥
 आ र म्य ॥ ० ॥ हा दि कृ षा रु
 धू न का उा य रु मि र्मि स न
 रु व स्य मि क म उ ज मान न
 म रु न ॥ अग्नि वा रु व द्वा
 स रु षा षा व दि म क रु ॥ १ ॥
 द क ना रि य वी ॥ उ अ रि
 व क रु मू रु र्म म रु ॥ द य
 ॥ १ ॥ य ना म रु षा रु नि य य

० ॥ अ रु व म ॥ अ न्ना र्ण नि ग ल व ॥ यो ग म म उा द ॥ ० ॥ अ न्ना र्ण नि ग ल व ॥

[illegible]

वे यी ण्डु क च उ र्था क द्रव
 ख मि र्मा द्वि ज व त धी रु नि
 ना धा स्या त्म ज ध्या ल व ना थ
 न लि खितं सं स्म र्ण ॥ उ या ४

रयाह यकवया वा अनयु वा सि
 मय ॥ उजमानय छिमा सिमः
 खनमगिय कन ॥ ६॥ आ
 दिखन द्या ॥ आवडया आधा
 रुविनाथरुन आकायका
 थुं हा पां निखावन एक र
 क उान सगिकु रुन गगिलय
 कावयावन उान सगिकु रुम
 वनयान का आयावन उान स
 गिकु रुनिवा हा ज थ गु न व
 र्थ या दा य सं धी म कु धी अमि
 र जा कर हा ज क अ गु स गिः
 वा र्थ या रू ला ला ॥ ॥ उजमा
 नन ॥ वारू ला कय ॥ यून रु
 या या ॥ थुं उ या आ धी रु विना
 थ रुन आ का य सं रु यो ॥ थुं
 र्या दि ॥ आत्म गि ज या नि ग्रह
 या रु ला ला ॥ ॥ उजमानन ॥
 या रु ला ला कय ॥ उ थुं ॥ यून

नखसिंकासनयाचकं
न॥निर्मिक्तनवलि॥क
लनीसा नननकेधू
यदीयजायमर्ण॥सू
यविंवूसदगुयाय
धर्मदनेधूयदीयः
शूद्ययाचकंभानमधु
लयाचकं॥शूद्यविः
यजीवीयुजाधूयदीय
सागमधुलयाचक
यदिभानयकविम
जिनयायगरुशूद्यः
विनजीवीदानयाच
कं॥शूद्ययाचलखन
हायमनरुंताउचाम
यवननखाय॥वसुवि
या॥वे०नयचकंवन्य
नादिनीग्वनाभीर्वाय
ॐशूद्ययुजाहविक
यथसथहावयाया

१५६३०२५५

यस्मान्न न नायकं लूय
 उश्वेवन कायकं नाम
 लग्नीन न गन्तव्यं
 यदायकं सूय विम्व
 वधं नैय दानयाय
 कल्लोद द्दिनय
 वाद्मोद द्दिनय
 ल्लोद द्दिनय
 सग्वल्लोद द्दिनय
 ग्रावधिय निष्ठा ॥ द्वा
 गुंजावन (ग्रावधिय
 मात्रीयूजा काय ॥ धि
 नैयादावसूर्य केशा
 नगनकं कल्लोद
 आययकं ॥ कोमानि
 ग्रावकायकं ॥ ॐ ति
 रीमनेथ अल्य आदि
 धि ॥ संनले लक्ष्मण
 द्वि ॥ २०० गलवानेन
 लैयाकं वनाडजनका
 यानथायाइ आशा ॥ १००

१ गमयमानके ॥ वं गायद्वामनयाय स्वस्ति कगायदासे षाय नूला
 यथिनश्चु रुतिगविनेकाया ॥ कुगुलिसलेखनकाय त्रतमिधेख
 लेथेऊमकासा नगे ॥ ॥ पूजायाय ॥ यातसासुथो र्ययाय ॥ ॥ ॐ नूडादि
 ॥ यऊमानस्ययथमकायव्वलि गमगुमसा नार्थे गमधूमयूजा कलसूया
 यादी नमः ॥ गमधूममाययूजाय निदेवताय यादी नमः ॥ धथे ॥ ॐ नूदी ॥ न
 न्दनी ॥ पूर्य ॥ धूर्यनमः ॥ दीर्यनमः ॥ कवलखवग ॥ ॐ दं रुलेयूया ताव
 लधूपदीयनेवशादि सीकल्य सिद्धि नमु ॥ सायूजायाय ॥ गमय ॐ द मासः

ननमः ॥ पूर्यनमः ॥ धथे ॥ यादा र्येनमः ॥ अर्धेनमः ॥ चन्दननमः ॥
 सिधू ननमः ॥ यकायवीरनमः ॥ पूर्य ॥ दीर्य ॥ ॐ दं रुलेयूया
 तीवलधूपदीयेनेवशादि सीकल्य सिद्धि नमु ॥ ॥ कुण्डामलेका
 दावसीकल्ययाय ॥ ॐ नूडादि ॥ सोनेरु यिऊग माग १४ धवानाममः
 गमुध ॐ दं गमसीरु हाजलेवर्ग भवग मूर्तमी ॥ अमूर्क गभग जम
 दनामसमीनगुयेवसेलाकोषिक नलुके ॐ दं गमधूममृगनर्कलवगमि
 लिमयूजाय निदेवर्ग नुत सिन्तुयपव्वलि गमथारु दनार्थे दाशुमेरुमस
 म

का ॥ लेश्वरायक ॥ उं का दा गा सा सु या त्र ॥ या ल क्ष्मी सि वे र त ष या त्र ॥
दं द व द क्षि ता ॥ धे नू रू य सा द वी दो रु या यं वा या रु रु ॥ दं द सु या च नू द ॥
दी र्ण क न स्या च या प्रि या ॥ धे नू रू य न सा द वी म म या र्थं वा या रु रु ॥ विष्णु व
दं सि या त ल क्ष्मी ॥ सा हा या च वि रा व सा ॥ स न्द्रा के ण किं यो धे नू रू या ॥
मु या प्रि या ॥ च रु र्मे ख स या ल क्ष्मी यो ल क्ष्मी न द स्य च ॥ ल क्ष्मी यो सा क या
लानी सा धे नू रू व न दा मु भ ॥ स्व धा या चि रु म् खा नी सा हा य के रु या च यो म
वे या प रु ना धे नू रू सा क्वा नि पु य च्छु भ ॥ स्त्री सु र्वे धा म ग ल धा म ॥ न ति य ॥

कि नू द नू च नू द क म ला स न वा सु द वा ॥ सा त्म म सु रु व ल ए य द रु य क
मी या रु द वि रु व सा ग न यी शु मा न ॥ अ ण ग न्धा दि ॥ सा न क वा क्क ले य्नु दा
द क्षि ण वा द न ड ल न य रु मा ना कि ष क र्वे द ना भी वो द ॥ ॐ ति सा च्छु न क
या वि वि षा ॥ ॥ स र्द ० वे ष म ष्ट रु क र ती या ध व ल स वा या ध व न स व ग द व
वृ ग न सा ना भी नि वा स म ल श श्मी वृ ग द व वि षा म स वा यि क रु द ॥ ॥

श्रीगणेशाय नमः॥
अथ वर्षाकोवंशावरी

श्रीजिह्वा राय १

श्रीअजिर राय २

श्रीअनल राय ३

श्रीअथा राय ४

श्रीविभक्ति राय ५

श्रीहरि राय ६

श्रीवंस्म राय ७

श्रीवषा न राय ८

श्रीममोरथ राय ९

श्रीमनमथ राय १०

श्रीभूपाल राय ११

श्रीअकवदफायराय १२

श्रीविहंग राय १३

श्रीसूर्य राय १४

श्रीसिवा राय १५

श्रीपलव साह १६

स्वयं पाथी अनिरासिवा

श्रीद्वय साह १७

श्रीपुल्ल साह १८

श्रीराम साह १९

श्रीउवर साह २०

श्रीकृष्ण साह २१

श्रीकृद साह २२

श्रीएधिपतिसाह २३

श्रीवीलमदुसाह २४

श्रीनरसूपास साह २५

श्रीएथीना राय साह २६

एसराजालेने घालत्रीनसह

रमारजैं गन तया सँ ८८८

माडु शुदि १४

श्रीसिंहपताप साह २७

श्रीरगवाहादुसाह २८

श्रीगीर्वारा जुद्ध साह २९

श्रीराजिदु वि क्रमसाह ३०

एस्का होरा

श्रीसुरेन्द्रवि क्रम साह ३१

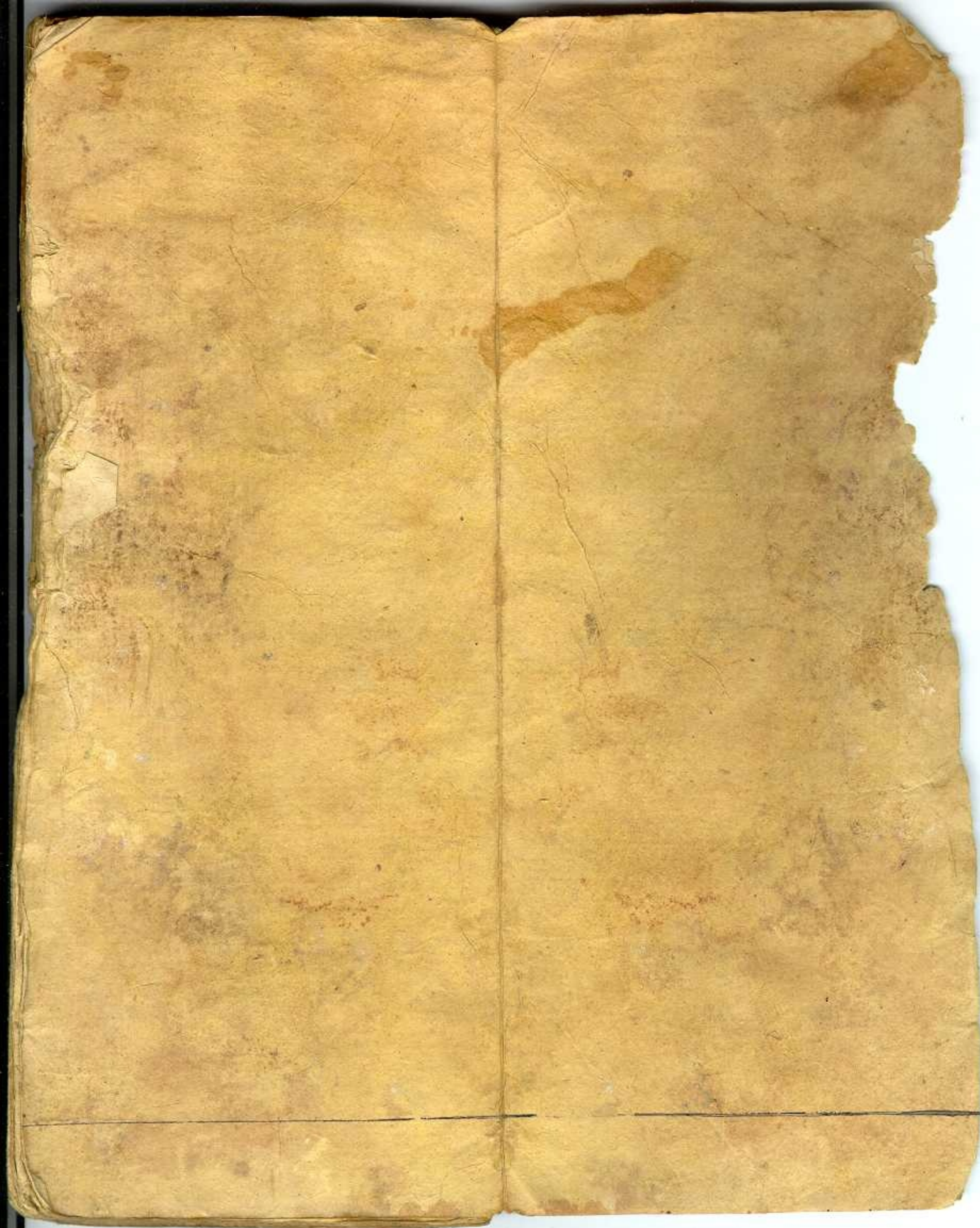
यो गुली स्वयां जोया

सुरेन्द्र काछो। ए^{गा} हीन पाये को श्रीनि
लोकाविक्रम साह ३२

हे काछो। ए श्रीपृथ्वीरवि
क्रम साह ३३

हे काछो। ए श्रीत्रिभुवन
वीर विक्रम साह ३४

हे काछो। ए महेंद्राविवि ३५



आर्य समाज

१०२६ I

ASIAN ARCHIVES

२०९०

